ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, मंगलवार 03 सितम्बर 2024
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 1 अंक 181

उदयसागर-स्वरूपसागर हुए पार, आयड़ में करोड़ों के विकास कार्य हुए- 'वेनिश'

पिछोला लबालब, सीसारमा पहली बार चली 10 फीट पार, हाइवे पर कई जगह चले झरने, रास्तों की रपट पर पानी, उभयेश्वर में शानदार झरना

पानी में बहा आयड़ के करोड़ा का विकास

आयड़ नदी के किनारे पर बने कालका माता मंदिर में भरा पानी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर में आज का दिन यादगार रहा। सुबह से मानसूनी बादलों ने ऐसी घूमर दिखाई कि सब तरफ पानी पानी हो गया। सीसारमा 10 फीट चली, फतहसागर 11 फीट पर पहुंच गया, उदयसागर, स्वरूपसागर के गेट खुल गए, कई जगह झरने चल पड़े और आयड़ में हुए करोडों के विकास के काम धुल गए। सुबह उदयपुर के पिछोला झील के लबालब होने के बाद स्वरूपसागर के चारों गेट खोल दिए है। ये गेट छह-छह इंच के खोले गए है। ये पानी उदयपुर की आयड़ नदी होकर उदयसागर झील में समाहित हो रहा है। बता दें कि उदयसागर के भी गेट खोल रखे है जिसका पानी आगे वल्लभनगर बांध में जा रहा है। सुबह शुरूआत रिमझिम बारिश से हुई लेकिन धीम-धीमे बारिश बाद में तेज हो गई। शहर के कई इलाकों में बारिश से ड्रेनेज सिस्टम में निकासी नहीं होने से पानी सड़कों पर भर गया। स्कूल जाने वाले बच्चे भी बारिश में छाते के साथ निकले। अभिभावक बच्चों को स्कूल बस और आटो तक छोड़ने के लिए छाता लेकर गए तो कुछ पेरेंटस ने तो बच्चों को आज बारिश को देखते हुए स्कूल ही नहीं भेजा। इधर, उदयसागर का गेज पूर्ण भराव क्षमता 24 फ़ीट से मात्र 2 फ़ीट 5 इंच कम होने से पहले ही गेट खोले गए। उदयसागर के गेट पहले एक-एक फीट खोले और अब 4-4 फीट खोल दिए है। बढ़ते पानी की आवक के चलते जलसंसाधन विभाग ने गेट खोलने का फैसला किया। पानी बढ़ने से उदयसागर के डूब क्षेत्र में पानी भरने से पहले ही ये गेट खोले गए। पिछोला में पानी की आवक के बाद स्वरूपसागर के गेट खोल दिए गए। कुम्हारों का भट्टा चौराहा पर पुलिया के नीचे निकासी नहीं होने के कारण काफी मात्रा में जल भराव हो गया। यहां इतना पानी हो गया कि यहां से दुपहिया और चारपहिया वाहनों को निकालने में दिक्कत हो गई। इधर, हिरणमगरी जाने वाले मार्ग पर सेवाश्रम पुलिया के नीचे आजाद नगर जाने वाले रास्ते पर पानी ही पानी हो गया। यहां पर मुख्य सड़क से पानी बहता हुआ आगे बढ़ रहा था। डोरेनगर से नीचे पुलिया पर जो पाइप डाल रखे वे छोटे है और कुछ पाईप ब्लॉक है। इनकी जगह बड़े पाईप डालने और सड़क को थोड़ा ऊपर करने से इस समस्या का समाधान होगा। सायरा मुख्य मार्ग से रावमादड़ा जाने वाले रास्ते पर पुलिया पर पानी बहने से आवागमन बाधित हो गया , झाडोल के थोबावाड़ा नदी पर नदी पार करते समय एक शिक्षक बाइक सहित पानी में बह गया जिसे ग्रामीणों ने बचाया।

दोनों मदार तालाब पर चादर, बुझड़ा नदी उफान पर

कैचमेंट क्षेत्र में हुई अच्छी बारिश से मदार छोटा और मदार बड़ा दोनों तालाबों में पानी की अच्छी आवक हुई मछार छोटा तालाब पर सुबह पांच इंच की चादर चल रही। तालाब पर चली चादर से पुलिया पर पानी बह रहा है जिससे रास्ता बंद है। इसी प्रकार गोडान जाने वाला रास्ता भी बंद है। मदार के महेंद्र सिंह बताते है कि इस समय इस तेजी से पानी बह रहा है कि गांव के लोगों को उदयपुर आने के लिए दूसरा रास्ता लेना पड़ रहा है। इधर, बुझड़ा नदी उफान पर चल रही है। इधर, सीसारमा नदी में पानी की आवक बढ़ने के बाद कैचमेंट एरिया में हुई अच्छी बारिश से सीसारमा 11 फीट पार हो गईं। इसके बाद स्वरूपसागर के गेट खोले गए। इससे पहले इसके लिए जल संसाधन विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है।

बिजली गिरने से महिला की मौत

उदयपुर जिले के सायरा के पानेर पटवार मंडल के गोदो का गुड़ा में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हुई है। समाजसेवी शंकर लाल गमेती ने बताया कि गांव में अनछी (30) पत्नी कालू सिंह राजपूत खेत से चारा लेकर घर लौट रही थी तब ही बिजली गिरी। बनास नदी के पास से सड़क पर होते हुए घर लौटते समय बिजली गिरी जिससे वह बेहोश होकर नीचे गिर गई। सूचना मिलने पर परिजनों सहित गांव के लोग मौके पर पहुंचे। तब उसकी मौत हो गई थी। बाद में इसकी सूचना सायरा पुलिस को दी गई है।

खेरवाड़ा-ऋषभदेव में अच्छी बारिश

खेरवाड़ा में अच्छी बारिश हुई। कस्बे के आसपास के गांवों में नदी नाले उफान पर है। वादेश्वर मार्ग अवरुद्ध हो गया तो कन्या महाविद्यालय, आईटीआई, खोखदरा गांव जाने वाला रास्ता भी अवरुद्ध हो गए है। ऋषभदेव के पास सोमकागदार बांध पर चादर चल रही है और मोक्षधाम एनिकट पर दो फीट चादर चल रही है। कस्बे में पूरी रात भर बारिश हुई। गोगुंदा ब्लॉक के भारोड़ी गांव की मेघवाल बस्ती का संपर्क कटा गया है। एनएच 27 पर बारिश के कारण पहाड़ से कई जगह मलबा गिरा है।

झाडोल में बाइक सहित नदी में बहा शिक्षक,ग्रामीणों ने बचाया

उदयपुर जिले की झाडोल उपखंड में आज सुबह से तेज बारिश का दौर चल रहा है। क्षेत्र के सभी नदी-नालों में पानी की आवक शुरू हो गईं है। बारिश से नदी उफान पर आने से झाड़ोल-कंथारिया मार्ग बाधित हो गया,वही थोबावाड़ा नदी पर पुल निर्माण कार्य चलने की वजह से ठेकेदार ने नदी में ही वैकल्पिक रास्ता बनाया जो भी पिछले दिनों पानी मे बह गया। इस वजह से क्षेत्र के ग्रामीणों और कर्मचारियों को नदी में बहते पानी को पार कर जाना पड़ रहा है। आज सुबह नदी पार करते समय एक शिक्षक बाइक सहित पानी में बह गया जिसे 500 मीटर की दूरी पर ही ग्रामीणों ने बाइक सहित निकाल दिया। घायल शिक्षक को अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार कर छुट्टी दे दी। कोल्यारी निवासी शिक्षक ख्याली लाल ढोली कोल्यारी से अपनी स्कूल उपरेटा जा रहा था की थोबावाडा नदी के वैकल्पिक पुल को पार करते बाइक स्लिप हो गई और बाइक सहित नदी में बह गया,गनीमत रही ग्रामीणों ने शिक्षक को बाइक सहित सुरक्षित बाहर निकाल दिया।

स्वरूप सागर के गेट खोले

उदयसागर के गेट खोले

छोटा मदार

एक सायरन बजा और बदल गया माही का मंजर, 4 गेट खोले, 25 हजार क्यूसेक पानी ने बांधा समां

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। राजस्थान के सबसे बड़े (लंबाई में) बांध माही बजाज सागर के 4 गेट खोले गए। बांध से 25 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। गेट खोलने से एक घंटा पहले मंगलवार दोपहर 3 बजे सायरन बजाकर अलर्ट किया गया। शाम 4.26 बजे गेट खोले गए। एईएन पीयूष पाटीदार ने बताया कि बांसवाड़ा जिले के माही डैम के1,2,15 और 16 नंबर के गेट को 1-1 मीटर खोला गया है। सबसे पहले 1 नंबर गेट खुला, इसके बाद 16 नंबर, फिर 2 और 15 नंबर गेट खोला गया। डैम के ऊपर बने कंट्रोल पैनल रूम में 4 अधिकारियों ने एक साथ बटन दबाकर गेट खोले। एईएन ने बताया कि गेट खोले जाने से पहले माही डैम के ऊपर बने माही माता मंदिर में पूजा की गई। माता का आशीर्वाद हर बार गेट खोलने से पहले लिया जाता है।

5 किमी तक सुनाई दी सायरन की आवाज

माही परियोजना के एक्सईएन प्रकाश चंद्र रैगर ने बताया कि डैम के गेट खोलने से पहले सायरन बजाना जरूरी होता है। एक सायरन माही डैम पर है। दूसरा 60 किलोमीटर दूर बेणेश्वर के संगम पर है और तीसरा 35 किलोमीटर दूर पीपलखूंट में है। सभी का कंट्रोल माही डैम से ही है। तीनों जगह के सायरन के बटन यहीं से दबाए गए थे। पहला साइरन माही डैम पर 3 बजे बजाया गया था। इसके बाद 3.30 बजे और फिर 3.45 बजे सायरन बजाया गया था। फाइनल सायरन 4.10 बजे बजाया गया था। बाकी दो सायरन बेणेश्वर और पीपलखूंट इलाके में नदी के किनारे पर हैं। सायरन लोगों को अलर्ट करने के लिए बजाया जाता है। ताकि वे नदी के बहाव क्षेत्र से दूर हो जाएं। साइरन की आवाज 5 किमी क्षेत्र तक सुनाई देती है।

श्री उभेश्वर महादेव

बेदला पुलिया

संपादकीय : मणिपुर का संघर्ष

एक भी ऐसा संकेत नजर नहीं आता, जिससे पता चले कि सरकार मणिपुर में हिंसा रोकने को लेकर गंभीर है। सवा साल से ऊपर हो गए, मगर अब भी वहां की और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष जारी है। इन समूहों के उग्रवादी संगठन लक्षित हिंसा करने लगे हैं। वे पहले दूसरे समूह के लोगों के घरों को चिह्नित करते हैं और फिर हमला कर देते हैं । इंफल के पश्चिमी हिस्से में हुआ ताजा हमला इसका उदाहरण है। उसमें एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई और नौ घायल हो गए। घायलों को गोली लगी है। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने संकल्प लिया है कि वे किसी भी चरमपंथी गुट को कट्टरपंथी और राष्ट्र-विरोधी नहीं बनने देंगे। विचित्र है कि वे कई मौकों पर दोहरा चुके हैं कि स्थिति काबू में है, अब वे अरामबाई तेंगगोल जैसे चरमपंथी संगठनों पर शिकंजा कसने की बात कर रहे हैं। मणिपुर सरकार के गृहमंत्रालय ने कहा है कि ताजा घटना में उग्रवादियों ने ड्रोन का उपयोग कर लक्षित हिंसा की समझना मुश्किल है कि मणिपुर में सक्रिय उग्रवादियों की गतिविधियों पर नजर रखना इतना मुश्किल क्यों बना हुआ है और वे कैसे अत्याधुनिक तकनीक और हथियारों का इस्तेमाल कर पा रहे हैं। छिपी बात नहीं है कि मणिपुर का सारा संघर्ष सरकार की शिथिलता की वजह से पैदा हुआ है। शुरू में ही अगर सरकार ने दोनों समुदायों के बीच पैदा हुई गलतफहमी को दूर करने का प्रयास किया होता, तो वैमनस्यता की आग इस हद तक न भड़कने पाती। मगर सरकार ने न तो बातचीत की पहल की और न उपद्रवियों पर काबू पाने की कोशिश । यही वजह है कि पिछले वर्ष शुरू हुई हिंसा के बाद कई थानों और शस्त्रागारों से हथियार लूट लिए गए और उनका हिंसा में इस्तेमाल होता रहा। पुलिस की मौजूदगी में महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने, उनसे बलात्कार और उनकी हत्या तक की घटनाएं हो चुकी हैं। मगर उन पर कार्रवाई में तत्परता नहीं दिखाई गई। अब तक दो सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं हजारों लोग अपना घर-बार छोड़ कर शिविरों में रहने को मजबूर हजारों घर और पूजा स्थल तोड़-फोड़ जला दिए गए। इतना कुछ हो जाने के बाद अगर मुख्यमंत्री अब संकल्प ले रहे हैं कि वे उग्रवादी संगठनों को राष्ट्र-विरोधी और कट्टरपंथी नहीं बनने देंगे तो हैरानी का विषय है। हैं । मणिपुर के मामले में केंद्र सरकार का रवैया भी शुरू से सवालों के घेरे में रहा है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं, उनसे छोटी-सी घटना पर भी केंद्रीय गृहमंत्रालय तुरंत जवाब तलब कर लेता है, मगर मणिपुर के मामले में मौन साधे हुए ही दिखता रहा। शुरू-शुरू में वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों को सख्ती के आदेश दिए गए थे, तब हिंसा रुक गई थी, मगर बाद में किस वजह से उस पर काबू पाने की कोशिश नहीं की गई, समझना मुश्किल है। ऐसा नहीं माना जा सकता कि अगर केंद्र सरकार चाहे, तो वह मणिपुर जैसे छोटे राज्य में हिंसा को नहीं रोक सकती। इस मामले में मुख्यमंत्री की जवाबदेही भी तय नहीं की गई। सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए वहां घटनाओं की जांच और राज्य पुलिस की कार्रवाइयों आदि पर नजर रखने के लिए एक दल गठित कर दिया, मगर राज्य सरकार के सहयोग के अभाव में उसके सकारात्मक नतीजे नजर नहीं आते ।

कसौटी पर कार्रवाई

इस बात को लेकर पिछले कुछ समय से सवाल उठने शुरू हो गए थे कि अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध का आरोपी है, तो सिर्फ इस कारण उसके घर को बुलडोजर से कैसे गिराया जा सकता है! अब इस मसले पर दाखिल याचिका की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त नाराजगी जताई और साफ कर दिया है। कि किसी भी व्यक्ति का मकान महज आरोप के आधार पर नहीं गिराया जा सकता। अदालत ने यहां तक कहा कि कोई व्यक्ति भले दोषी हो, फिर भी कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता । हालांकि किसी भी अनधिकृत निर्माण को संरक्षण नहीं दिया जा सकता। केंद्र सरकार का तर्क था कि जिन लोगों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई हुई, वे अवैध कब्जे या अवैध निर्माण के मामले थे। गौरतलब है कि हाल के दिनों में किसी जघन्य अपराध के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर उसका घर ढहा कर भले सख्ती का संदेश दिया जाता रहा हो और इसे कुछ लोग पसंद भी करते हों, मगर कानून और मानवीयता की कसौटी पर यह तौर- तरीका सवालों के घेरे में शुरू से था । इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की यह राय बेहद महत्त्वपूर्ण है कि न केवल आरोप लगने, बल्कि दोषी होने पर भी किसी के घर को ढहाना उचित नहीं है। उस घर में आरोपी के अलावा उसके परिवार के अन्य सदस्य हो सकते हैं, जिनका उस पर लगे आरोप से कोई लेना-देना न हो। दूसरे, अगर किन्हीं हालात में अदालत की सुनवाई के बाद आरोपी को निर्दोष पाया गया, तो वैसी स्थिति में ध्वस्तीकरण को कैसे देखा जाएगा ! हालांकि अगर किसी का घर किसी नियम का उल्लंघन करके बनाया गया है, तो उसे भी सही नहीं ठहराया जा सकता। मगर यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर किसी आरोपी के घर को गिराने के क्रम में अतिक्रमण या अवैध निर्माण को आधार बनाया जाएगा, तब सभी नागरिकों के लिए व्यापक और समान दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत होगी। शायद यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने इस मसले पर सभी संबंधित पक्षों से सुझाव मांगा, ताकि अचल संपत्तियों के विध्वंस के मुद्दे पर पूरे देश के लिए एक ठोस दिशा-निर्देश जारी किया जा सके।

इनका कोई 'लेवल' है के नहीं, लगातार बना रहे सड़क के उपर सड़क, धंस रहा मकानों का कुर्सी लेवल!

राजस्थान के नगरीय निकायों के पास सड़क का लेवल निर्धारित करने का मापदंड नहीं, मनमाफिक तौर पर बढ़ा रहे सड़कों का लेवल

- रिपोर्ट -जयवंत भैरविया -

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। आज सुबह से हो रही तेज बारिश ने स्मार्ट सिटी की स्मार्टनेस की पोल खोल दी है। साथ ही स्थानीय निकायों के अभियंताओं के अभियांत्रिकी ज्ञान का प्रमाण पत्र भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले जलभराव और आयड़ नदी के सौंदर्यीकरण कार्य ने दे दिया है। स्थानीय निकायों नगर निगम , यूडीए और पीडब्ल्यूडी की ओर से होने वाले कई विकास कार्य या निर्माण कार्य कुछ ऐसे हैं जो शहर के आम नागरिकों की परेशानी बढ़ाने के साथ ही पैसे की बर्बादी कर रहे हैं। स्मार्ट सिटी मिशन में उदयपुर शहर में पिछले कुछ सालों में बुनियादी ढाँचों का तेजी से विकास किया गया है। इसमें भूमिगत बिजली , पानी एवं अन्य संचार माध्यमों, सीवर लाइनों को बिछाते हुए सीमेंट कंक्रीट की सड़कों का जाल बिछाया गया है। लेकिन इस बात का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा गया है कि सडक जिस गली में बन रही है वहां पर मकानों का मौजूदा प्लिंथ लेवल कितना है? शहर कोट की बाहरी कॉलोनियों में भी यही हालत है। सड़क निर्माण एवं मरम्मत के दौरान सड़कों का लेवल नहीं देखा जा रहा, बस यहां टेंडर मिला, वहां फटाफट काम निपटाया जा रहा है, बेतरतीब ढंग से सडक का लेवल बढ़ाया जा रहा है। एक सडक बनती है, उस पर फिर नई बन जाती है। लोग देखते ही रह जाते हैं और पता चलता है कि मकान की कुर्सी नीचे रह गई, सड़क मकान की छाती तक आ जाती है। कइर्र बार तो मकान की उपरी मंजिल को भी पार कर जाती है। इसकी वजह से उस क्षेत्र के निवासियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। लाखों रुपए का प्लॉट खरीद कर एवं लाखो रुपए खर्च कर मकान बनाया जाता है, सड़क सतह से पर्याप्त कुर्सी तल रखा जाता है लेकिन कई वर्षों में सड़क का लेवल इतना उँचा हो जाता है कि सड़क मकान के प्लिंथ लेवल/कुर्सी तल से ऊंची हो जाती है और वर्षा के दिनों में सड़क का पानी मकानों के अंदर घुसने लग जाता है। जयपुर में कुछ दिनों पहले विद्यानगर इलाके के ध्वज नगर इलाके में हुई एक घटना में 3 लोगों की मौत हो गई ,सड़क का लेवल कुछ सालों में इतना हो चुका था कि 2 मंजिला मकान बेसमेन्ट बन गया और बेसमेंट में पानी भरने से 3 जान चली गई। शहर चाहे जयपुर हो ,जोधपुर हो या फिर उदयपुर सभी जगह यही हाल है, भवन निर्माण के मानक है लेकिन सड़क लेवल निर्धारित करने के मानक किसी भी निकाय के पास नही है। सूचना के अधिकार के जरिये जब जयपुर विकास प्राधिकरण के 3 विभागों से सड़क के लेवल के सम्बंध में सूचना मांगी गई तो चोंकाने वाले जवाब मिले। हमारा मकसद ये था कि पता चल सके कि आखिर किस शहर में सडक के लेवल के क्या मापदंड तय कर रखे हैं। सड़कों पर सड़कें बनाए जा रहे हैं जबकि असल में सड़कों को खोद कर लेवल मेंटेन रखते हुए नई सडकों का निर्माण करना है। स्थानीय निकायों द्वारा सड़को के लेवल को प्रतिवर्ष बढ़ाया जा रहा है जबकि उच्च न्यायालय व माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने विभिन्न निर्णयों में पारित किया है कि किसी भी विकसित कॉलोनी में सड़क का लेवल बढ़ाया नही जा सकता, सड़क का पुनर्निर्माण या मरम्मत करते समय पुरानी सड़क को खुरच कर उसी लेवल में ही बनाया जाना आवश्यक है। शहरवासियों व स्थानीय निकायों को जानकारी के अभाव में या फिर सड़क निर्माण कार्यो में होने वाले भारी कमीशन के खेल के कारण शायद जानबूझकर आम इंसान की समस्याओं को बढ़ाकर सड़को का लेवल उँचा कर दिया जाता है।

आर टी आई आवेदन में चाही गई सूचना

(1) शहर की आपके विभाग के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाली कॉलोनियों में सड़क का उच्चतम लेवल निर्धारित करने वाले मानकों की सत्यापित सूचना प्रदान की जाए

(2) शहर की आपके विभाग के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाली कॉलोनियों में मकान बनाये जाने हेतु अधिकतम निर्धारित कुर्सी तल की सूचना प्रदान की जाए

(3) शहर की आपके विभाग के क्षेत्राधिकार में आने वाली कॉलोनियों में मकान बनाने से पूर्व सड़क के अधिकतम संभावित लेवल की जानकारी हेतु अधिककृत अधिकारी के नाम व पदनाम की सूचना प्रदान की जाए

(4) शहर की आपके विभाग के क्षेत्राधिकार में आने वाली कॉलोनियों में बने हुए मकानों की कुर्सी तल से सड़क का लेवल ऊपर करने हेतु आपके निकाय द्वारा तय मानकों की सूचना प्रदान की जाए

(5) शहर की आपके विभाग के क्षेत्राधिकार में आने वाली उन कॉलोनियों की सूची जिनमे सड़क तल, मकानों के कुर्सी तल निर्धारित करने वाले मोटाम, सूचना पट्ट, साइन बोर्ड लगवाए गए है उन सभी की सत्यापित सूचना प्रदान की जाए।

जयपुर विकास प्राधिकरण को भी नहीं पता कि क्या होना चाहिए सड़क का लेवल

दिनाँक 28 फरवरी 2023 को जयपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य नगर नियोजक (मास्टर प्लान) को आर टी आई के जरिये सूचना मांगी गई । उन्होंने सूचना को मुख्य नगर नियोजक (भवन मानचित्र समिति) व अभियंत्रिकी शाखा से सम्बंधित होना बताया , जिसके बाद मुख्य नगर नियोजक (भवन मानचित्र समिति) ने जवाब दिया बिंदु संख्या 1 से 4 की सूचना सृजित नही की जा सकती एवं अभियांत्रिकी शाखा ने जवाब दिया कि उनके विभाग में कोई लोक सूचना अधिकारी नही है। दिनाँक 16 मई 2023 को जयपुर विकास प्राधिकरण के उप निदेशक (विधि) के विभाग में चाही गई सूचनाएं प्राप्त करने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसके बाद उन्होंने सूचना को निदेशक (अभियांत्रिकी), तकनिकी सहायक व निदेशक (नगर आयोजना) एवं अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक (भवन मानचित्र समिति) से सम्बंधित होना बताया जिसके बाद तकनिकी सहायक व निदेशक (नगर आयोजना) ने उपनिदेशक विधि को जवाब दिया कि बिंदु संख्या 2 की सूचना भवन विनियम 2020 में उपलब्ध है एवं बिंदु संख्या 1,3,4 व 5 आप स्वयं सम्बंधित लोक सूचना अधिकारी से प्राप्त कर आवेदक को उपलब्ध करावे , अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक (भवन मानचित्र समिति) ने जवाब दिया पूर्व में सूचना दी गई है जिसमे बताया गया है कि चाही गई सूचनाएं सृजित नही की जा सकती दिनाँक 1मार्च 2023 को जयपुर विकास प्राधिकरण के उपायुक्त (प्रशासन) को आर टी आई आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसके बाद उन्होंने सूचना वरिष्ठ नगर नियोजक (भवन मानचित्र समिति) व अभियांत्रिकी शाखा से सम्बंधित होना बताया। वरिष्ठ नगर नियोजक ने जवाब दिया कि बिंदु संख्या 1 से 4 की सूचना अभियांत्रिकी शाखा से सम्बंधित है और बिंदु 5 की सूचना सृजित नही की जा सकती , अधिशासी अभियंता (अभियंत्रिकी प्रथम) ने जवाब दिया कि चाही गई बिंदुओं की सूचना सृजित नही की जा सकती। जोधपुर विकास प्राधिकरण को भी नहीं पता कि सड़क कितनी उंची होनी चाहिए जोधपुर विकास प्राधिकरण (दक्षिण) में सूचना के अधिकार के अंतर्गत आवेदन करने पर उन्होंने सूचना को पी डब्ल्यू डी से संबंधित होना बताया , इसी सूचना को पी डब्ल्यू डी ने नगर निगम निगम व जोधुपर विकास प्राधिकरण के पास होना बताया, जोधपुर विकास प्राधिकरण (उत्तर) ने बिंदु संख्या 1,3,4,5 की सूचना को अभियांत्रिकी शाखा में उपलब्ध होना बताया जिसके बाद जोधपुर विकास प्राधिकरण की अभियांत्रिकी शाखा ने सूचना किसी भी रूप में संधारित नही की गई है ,बताकर पल्ला झाड़ लिया।

उदयपुर के इंजीनियर बड़े महान, विकास प्राधिकरण का हास्यास्पद जवाब

(1) बिंदु संख्या 1 के जवाब में बताया कि सडक का उच्चतम लेवल मौके की स्थिति व सड़क के ढलान को देखकर निर्धारित किया जाता है।

(2) बिंदु संख्या 2 की सूचना भवन विनियम 2020 में दर्ज होना बताया

(3) बिंदु संख्या 3 के जवाब में बताया कि किसी भी कॉलोनी में मकान बनाने से पूर्व सड़क का अधिकतम संभावित लेवल बताने वाला यूडीए में कोई अधिकारी अधिकृत नही है

(4) बिंदी संख्या 4 के जवाब में बताया कि सड़कों का लेवल मकानों के कुर्सी तल से ऊपर ले जाने के कोई मानक नही है, मौके की स्थिति के अनुसार लेवल निर्धारित किये जाते है।

(5) बिंदु संख्या 5 के जवाब में सड़क का लेवल निर्धारित करने वाले कोई भी मुटाम, सूचना पट्ट या साईंन बोर्ड किसी भी कॉलोनी में नही लगे होना बताया गया।

कथा का माध्यम से जो भी सीखें उसे अपने जीवन में उतारें- विधायक कृपलानी

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा। नगर के बस स्टैंड के समीप स्थित श्री बाबा रामदेव व्यायामशाला पर भादवा बीज श्री बाबा रामदेव के जन्मोत्सव के अवसर पर पंडित श्री रामेश्वर जी के मुखारविंद से नानी बाई का मायरा कथा का वाचन किया जा रहा है। मंगलवार को कथा समापन के अंतिम दिन पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी ने श्री बाबा रामदेव के दर्शन कर कथा वाचक पंडित श्री रामेश्वर जी का उपरना ओढाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्री बाबा रामदेव व्यायाम शाला के उस्ताद प्रहलाद माली, शम्भू माली, मोहन सिंह, शंकर माली सहित सदस्यों द्वारा विधायक कृपलानी, पूर्व विधायक अशोक नवलखा, नगर अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी, पूर्वी मण्डल अध्यक्ष अशोक जाट, पूर्व नगर महामंत्री वीरेश चपलोत, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला सह संयोजक गजेंद्र नवलखा, नगर उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह राठौड़ का उपरना ओढाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक कृपलानी ने कहा कि धार्मिक आयोजनों एवं कथाओं से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। कृपलानी ने कहा कि ऐसी कथाओं के माध्यम से मिली सीख को हमें अपने जीवन मे उतारते हुए पीड़ित मानव की सेवा करना चाहिए।

धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ धराया नानी बाई का मायरा

श्री बाबा रामदेव व्यायामशाला पा आयोजित नानी बाई का मायरा कथा के समापन अवसर पर आयोजकों द्वारा बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ नानी बाई का मायरा धराया गया। इस अवसर पर आयोजको के द्वारा शेखावत सर्कल स्थित श्री शिव मंदिर से छोटीसादड़ी मार्ग, इंदिरा कॉलोनी, परशुराम सर्कल, होते कथा आयोजन स्थल तक डीजे एवं ढोल नगाड़ों के साथ दो बैल गाड़ियों में नानी बाई के मायरे की शोभायात्रा निकाली गई।

बिजली-विभाग ने आदेश नहीं मानने वाले अफसरों को भेजा नोटिस:डेपुटेशन से हटाया गया था, मूल जगहों पर आदेश के बाद भी नहीं किया ज्वाइन

24 न्यूज अपडेट

बिजली विभाग की कंपनियों और विभिन्न विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को आदेश नहीं मानने पर नोटिस जारी किया गया है। सोमवार को राज्य ऊर्जा मंत्री कार्यालय से डेपुटेशन पर चल रहे कर्मचारियों पर की गई कार्रवाई को लेकर सात दिन में जबाब मांगा है। मंत्री कार्यालय से तीनों डिस्कॉम्स (जयपुर, जोधपुर, अजमेर), विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड और राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड जयपुर के एमडी के नाम आदेश जारी किया है।

दरअसल, 12 फरवरी 2024 को राज्य ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर की ओर से विभाग के अधिकारी कर्मचारियों का डेपुटेशन रद्द कर उन्हें मूल विभाग या कार्यालय में लौटने का आदेश जारी किया गया था। आदेश के लगभग 6 महीने बीत जाने के बाद भी कई अधिकारी कर्मचारी डेपुटेशन वाली जगह से तो कार्यमुक्त हो गए, लेकिन अपने मूल विभाग में कार्यग्रहण नहीं किया। ऐसे में मंत्री कार्यालय से ऐसे अधिकारी कर्मचारियों पर विभिन्न बिजली कंपनियों की ओर से क्या कार्रवाई की गई, इसे लेकर सात दिन में जानकारी देने को कहा है।

भाजपा सरकार ने गहलोत राज की साइकिल का रंग बदला

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में सरकार की ओर से छात्राओं को फ्री में देने वाली साइकिल का रंग फिर बदलने जा रहा है। भाजपा सरकार कांग्रेस राज में दी जाने वाली काले की जगह केसरिया रंग की साइकिल देगी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि साइकिल का रंग बदलने का कोई खास उद्देश्य नहीं है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल से पहले जब राजस्थान में बीजेपी की सरकार थी। तब भी साइकिल का रंग केसरिया ही था। कांग्रेस ने इसे बदलकर काला कर दिया था।

दिलावर ने कहा- हम फिर से साइकिल का रंग बदलकर केसरिया कर रहे हैं। केसरिया रंग शौर्य और वीरता की पहचान है। जब देश आजाद हुआ, तब देशभक्त यही रंग पहनकर क्रांति करते थे। अग्नि देवता भी इसी रंग में प्रज्वलित होते हैं। सूर्य भगवान पूरे विश्व को प्रकाश देते हैं। उनका उदय होता है, तब यही रंग होता है।

कक्षा 9वीं की स्टूडेंट्स को मिलेगी साइकिल

दरअसल, राजस्थान में कक्षा 8वीं पास कर चुकी छात्राओं को 9वीं में एडमिशन लेने पर सरकार की ओर से फ्री साइकिल दी जाती है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी छात्राओं को फ्री साइकिल दी गई। प्रदेश में 8 लाख छात्राओं को काले की जगह केसरिया रंग की साइकिल दी जाएगी।

सड़क दुर्घटना में मृतक के आश्रितों को 2 लाख रुपये की प्रतिकर राशि मंजूर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 सितंबर। उदयपुर जिला मजिस्ट्रेट एवं दावा परिनिर्धारण आयुक्त अरविंद पोसवाल ने एक आदेश जारी कर पूर्व में हुई सड़क दुर्घटना में मृतक के आश्रितों को 2 लाख रुपये की प्रतिकर राशि मंजूर की है। उन्होंने बताया कि गत 11 सितंबर 2023 को एक सड़क दुर्घटना में मृतक सेक्टर 11 आलोक स्कूल के पास स्थित अर्जुन नगर निवासी अशोक कुमार चड्डा के आश्रित मृतक की पत्नी श्रीमती कविता चड्डा, पुत्री प्रीति चड्डा व पुत्र कृष्ण चड्डा (प्रत्येक को 50000-50000 को यह प्रतिकर राशि मंजूर की गई है।

पशुओं के लिए घातक साबित हो रहा है पॉलिथीन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 सितम्बर/ पॉलीथिन पर्यावरण का शत्रु, पशुओं के लिए अभिशाप, पशुओं के लिए घातक एवं पर्यावरण विनाशकारी है। यह संबोधन पशुपालन डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थियों की संगोष्ठी में डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने दिया। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में उपनिदेशक डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने कहा कि पशुओं में पॉलीथिन खाने में आ जाने से एवं उसका शरीर में पाचन नही होने से पशु को भयंकर आफरा हो जाता हैं एवं कई बार उसकी मृत्यु होने की संभावना रहती है। इसका उपचार केवल मात्र शल्य क्रिया द्वारा ही संभव है। अतः पशुपालकों को चाहिए कि वे न ही पॉलीथीन का उपयोग करें एवं पशु को खाने में आने से रोकें। डॉ. सुरेश शर्मा एवं डॉ. पद्मा मील ने भी विचार रखे।

मणिपुर में लगातार दूसरे दिन ड्रोन अटैक:कुकी उग्रवादियों ने मैतेई इलाके में बम गिराए, 2 घायल; राज्य सरकार ने हाई लेवल कमेटी गठित की

24 न्यूज अपडेट

इंफाल.मणिपुर में इंफाल जिले के सेजम चिरांग गांव में सोमवार (3 सितंबर) की शाम उग्रवादियों ने ड्रोन अटैक किए। जिसमें में एक महिला समेत 3 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दो दिन में दूसरा ड्रोन अटैक है।

सोमवार शाम करीब 6.20 बजे सेजम चिरांग के रिहायशी इलाके में ड्रोन से 3 विस्फोटक गिराए, जो छत को तोड़ते हुए घरों के अंदर फटे। उग्रवादियों ने पहाड़ी की चोटी से गोलीबारी भी की। जिसके बाद सुरक्षा बलों ने भी फायरिंग की।

सेजम चिरांग गांव, कोत्रुक से करीब 3 किमी दूर है, जहां रविवार 1 सितंबर को ड्रोन हमले और गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी और 9 लोग घायल भी हुए थे। ये आशंका जताई जा रही है कि कुकी उग्रवादियों को ड्रोन वॉरफेयर के लिए म्यांमार से टेक्निकल सपोर्ट और ट्रेनिंग मिल रही है, या वे सीधे तौर पर इसमें शामिल हैं।

मणिपुर सरकार ने इन ड्रोन अटैक की जांच करने के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी की अगुआई एडिशनल DGP आशुतोष कुमार सिन्हा करेंगे। कमेटी के अन्य सदस्यों में मेजन जनरल एसएस कार्तिकेय, मेजर जनरल रवरूप सिंह और दो अन्य हाई रैंकिंग अधिकारी विपुल कुमार और जेके बिरदी शामिल हैं।

ड्रोन से आबादी और सुरक्षा बलों पर बम गिराना आतंकवाद है। मैं इस कायरता की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। राज्य सरकार कार्रवाई करेगी। मणिपुर के लोग नफरत और अलगाववाद के खिलाफ एकजुट होंगे। - एन बीरेन सिंह, मुख्यमंत्री (मणिपुर)

2 बम घरों पर गिरे, तीसरा नदी किनारे फटा

ड्रोन से पहला बम सेजम चिरांग गांव के मानिंग लीकाई में 65 साल के वाथम गंभीर के घर की छत पर बम गिरा, दूसरा बम उसके घर के बगल वाली गली में गिरा, जबकि तीसरा बम नदी के किनारे फटा। वाथम गंभीर की बेटी सनातोम्बी (23) के पेट में छर्रे लगे। उसे तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। सनातोम्बी को शिजा अस्पताल रेफर कर दिया गया। गंभीर के छोटे भाई जोतिन (56) को भी विस्फोट में कंधे पर मामूली चोट लगी।

पुलिस को तलाशी में गोला-बारूद मिला

मणिपुर पुलिस ने एक बयान में कहा कि तलाशी अभियान के दौरान कांगपोकपी जिले के खारम वैफेई गांव के पास से एक ड्रोन बरामद किया है। कांगपोकपी जिले के कांगचुप पोनलेन में सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान के दौरान हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। इनमें दस 12 इंच की सिंगल-बोर बैरल राइफलें, एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, नौ इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार बैरल, 20 जिलेटिन रॉड, 30 डेटोनेटर, दो देशी रॉकेट जब्त किए गए।

पुलिस डीजी बोले- पहाड़ी इलाकों में केंद्र की तरफ से सुरक्षाबलों की 198 कंपनियां मौजूद

पुलिस के डायरेक्टर जनरल राजीव सिंह की तरफ से आदेश दिए जाने के बाद इस कमेटी का गठन किया गया है। राजीव सिंह ने कहा कि यह ड्रोन हमला एक नई घटना है। हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। हमने दिल्ली में NSG के डायरेक्टर जनरल और उनकी टीम से बात की है। कई अन्य विशेषज्ञ भी आ रहे हैं और हमने ड्रोन हमलों की जांच और इन्हें रोकने के लिए एक समिति भी बनाई है।

हमारे पास इन्हें रोकने के कुछ उपाय हैं, जिन्हें हम लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा जिन पहाड़ी इलाकों में हमले हुए हैं, वहां हमारे अभियान जारी हैं। मामले में हमें केंद्र भी पूरा समर्थन मिल रहा है। केंद्रीय बलों की लगभग 198 कंपनियां यहां मौजूद हैं।

नेटफ्लिक्स ने विवाद के बाद सीरीज IC814 में बदलाव किया:ओपनिंग डिस्क्लेमर में हाईजैकर्स के रियल और कोड नेम शामिल किए; हिंदू नामों पर था विवाद

24 न्यूज अपडेट

मुंबई. नेटफ्लिक्स ने विवादित सीरीज IC 814- द कंधार हाईजैक में मंगलवार, 3 सितंबर को बदलाव कर दिए। अब सीरीज के ओपनिंग डिस्क्लेमर में ही हाईजैकर्स के रियल और कोड नाम दिखेंगे।

दरअसल, IC 814- द कंधार हाईजैक में आतंकियों के हिंदू नामों पर विवाद था और इसे बैन करने की मांग की गई थी। इस पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स को नोटिस भेजकर सफाई मांगी। इसके बाद आज नेटफ्लिक्स की इंडिया कंटेंट हेड मोनिका शेरगिल मंत्रालय पहुंचीं।

सीरीज में आतंकियों के नाम भोला' और 'शंकर'

सीरीज में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट को हाईजैक करने वाले आतंकी, पूरी घटना के दौरान रियल नामों की बजाय, कोड नेम जैसे बर्गर, चीफ, शंकर और भोला इस्तेमाल करते नजर आए।

सोशल मीडिया पर लोगों ने 'IC 814' में हाईजैकर्स के हिंदू नामों को लेकर आपत्ति जताई। आरोप लगाया कि ये आतंकवादियों के रियल नाम छिपाने की कोशिश है। IC 814 सीरीज 29 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। नेटफ्लिक्स ने कहा- जो नाम थे, वही हमने दिखाए

नेटफ्लिक्स ने ऑफिशियल बयान में कहा, 'हम दर्शकों के लिए सीरीज के ओपनिंग डिस्क्लेमर में हाईजैकर्स के रियल और कोड नेम को शामिल करेंगे।

अभी सीरीज में कोड नेम रियल घटना के दौरान उपयोग किए गए नाम ही हैं। हम हर कहानी का ओरिजिनल रिप्रेजेंटेशन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

मंत्रालय ने कहा था, 'भारतीयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का हक नहीं

मंत्रालय ने 2 सितंबर को कहा, 'किसी को भी देश के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का हक नहीं है। भारत की संस्कृति और सभ्यता का सम्मान हमेशा सर्वोपरि है। किसी भी चीज को गलत तरीके से दिखाने से पहले आपको सोचना चाहिए। सरकार इसके प्रति बेहद सख्त है।'

नाड़ी में नहाने गए युवक की मौत:अपने दोस्तों के साथ गया था, काफी देर बाद भी नहीं निकला तो पुलिस को किया सूचित

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. नाड़ी में नहाने गए एक युवक की डूबने से मौत हो गई। ये युवक अपने दोस्तों के साथ नाड़ी में नहाने के लिए गया था काफी देर तक भी जब ये बाहर नहीं आया तो उसके दोस्तों में पुलिस को सूचित किया और लोकल तैराकों को बुलवाकर युवक के शव को नाड़ी से निकलवाया । युवक की मौत के बाद परिजनो में मातम छा गया। मामला पुर थाना क्षेत्र का है यहां। थाने के एएसआई गोपाल लाल ने बताया कि रामसिंह 35 पुत्र गोर्धनसिंह राजपूत निवासी जस्सू जी का खेड़ा काछोला मंडपिया स्थित सुपर गोल्ड फैक्ट्री में मजदूरी करता है। राम सिंह अपने दोस्तो के साथ संगम फार्म हाउस के पीछे नाड़ी में नहाने गया था। जब काफी देर तक वो नाड़ी से बाहर नहीं आया तो उसके दोस्तों ने मंडपिया चौकी जाकर पुलिस के मार्फत पुर थाने पर सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोकल तैराकों को बुलाकर नाडी में तलाश करवाई तो रामसिंह का शव मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकलवा कर मोर्चरी भिजवाया। पुलिस ने आज हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी पहुंचकर परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवा, शव परिजनों के सुपुर्द किया और मामले की जांच कर रही है।

प्राइवेट हॉस्पिटल के काउंटर से 1.25 लाख चोरी:देर रात अस्पताल में घुसे नकाबपोश चोर; CCTV खंगाल रही पुलिस

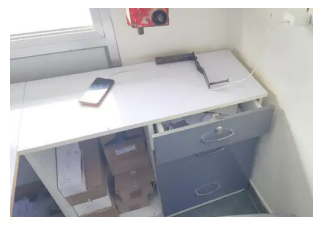

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर .उदयपुर के झाडोल थाना क्षेत्र में निजी जागृति हॉस्पिटल में बीती रात तीन नकाबपोश बदमाशों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार नकाबपोश बदमाश सोमवार रात करीब 1 बजे हॉस्पिटल में घुसे। उन्होंने एल्युमिनियम का बना मैन गेट तोड़ा और अंदर पहुंच गए। चोरों ने रिसेप्शन काउंटर के गल्ले में रखी करीब सवा लाख रुपए की नकदी चुरा ली। इस दौरान वहां सो रहे नर्सिंग कर्मी दीपक पूर्बिया की अचानक नींद खुली। नर्सिंग कर्मी ने चोरी करते हुए चोर को पकड़ने की कोशिश की तो चोर ने नर्सिंग कर्मी के चाकू से हमला किया लेकिन नर्सिंग कर्मी ने मुश्किल से अपना बचाव किया। शोर मचाने के बाद चोर वहां से भाग निकला। बाद में हॉस्पिटल का अन्य स्टाफ बाहर निकलकर आया। हॉस्पिटल मालिक डॉक्टर किशन कलाल ने इस संबंध में झाड़ोल पुलिस थाने मं मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस हॉस्पिटल और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी चोर की पहचान करने में जुटी है।

डूंगरपुर में रातभर रुक-रुककर हुई मूसलाधार बरसात:देवल में 4 इंच बारिश, मारगिया-अमरपुरा समेत 10 बांध छलके

24 न्यूज अपडेट

गरपुर में सोमवार शाम से शुरू हुआ मूसलाधार बरसात का दौर रातभर रुक-रुककर चलता रहा। जिससे पुराने शहर की सड़कों पर बरसात का पानी दरिया की तरह बहता रहा। देवल में सर्वाधिक 4 इंच बारिश हुई है। वहीं, बरसात की वजह से मारगिया, अमरपुरा समेत 10 बांध ओवरफ्लो हो गए। जिले का सबसे बड़े सोम कमला आंबा बांध भर चुका है। बांध के गेट खोलने के लिए प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी कर दिया है।

मंगलवार सुबह भी आसमान में बादल छाए रहे। हल्की रिमझिम बरसात भी हुई। वहीं, मौसम विभाग ने आज भी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया हुआ है। बरसात की वजह से खेत खलिहान पानी से लबालब हो चुके है। नदी नालों में भी पानी की जोरदार आवक हुई है। वहीं, बरसात की वजह से तालाब और छोटे-बड़े बांध भी भरने लगे है।

सोमकमला आंबा के गेट खोलने की तैयारी, 10 बांध ओवरफ्लो

डूंगरपुर जिले का सबसे बड़ा सोमकमला आंबा बांध भर चुका है। बांध की पूरी भराव क्षमता 13 मीटर है। जबकि बांध 12.30 मीटर तक भर चुका है। बांध में 118 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है। बांध कभी भी ओवरफ्लो हो सकता है। ऐसे में सोमकमला आंबा विभाग की ओर से बांध के निचले हिस्से में रहने वाले लोगों को अलर्ट कर दिया गया है। बांध के गेट कभी भी खोलने की।चेतावनी जारी की गई है। वहीं, जिले में सिंचाई विभाग के 21 बांध है। जिसमें से 10 बांध ओवरफ्लो हो गए है। जिले का सबसे बड़ा पर्यटन केंद्र कहे जाने वाले मारगिया बांध भी ओवरफ्लो हो गया है। मारगिया पर 15 सेंटीमीटर के चादर चल रही है। वहीं, वात्रक बांध, भादर, आकारसोल का नाका, मेवाड़ा, अमरपुरा, टामटिया, गजपुर, वरडोल का नाका, वरदा बांध भी ओवरफ्लो हो चुके है। इन बांधो पर 2 से 25 सेंटीमीटर तक ओवरफ्लो पानी बह रहा है।

कहां कितनी बारिश

जिला कंट्रोल रूम के अनुसार डूंगरपुर में पिछले 24 घंटों में औसत 2 इंच से ज्यादा बरसात हुई है। देवल में सबसे ज्यादा 4 इंच (103 एमएम) बरसात हुई। डूंगरपुर शहर में 59 एमएम, फलोज में 68 एमएम, कनबा में 64 एमएम, सागवाड़ा में 18 एमएम, ओबरी में 54 एमएम, वेंजा में 37 एमएम, चिखली में 53 एमएम, आसपुर में 56 एमएम, गणेशपुर में 74 एमएम, बनकोड़ा में 44 एमएम, साबला में 12 एमएम, निठाउवा में 25 एमएम, गामड़ी अहाडा में 71 एमएम बारिश हुई है।

जिला चिकित्सालय के निर्माण कार्य को लेकर भ्रम फैलाने में जुटा विपक्ष- भाजपा

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा क्षेत्र के भाजपा नेताओं ने विपक्ष द्वारा निम्बाहेड़ा जिला चिकित्सालय के नवीन भवन के निर्माण कार्य को लेकर सोमवार को उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपने को क्षेत्र की जनता में भ्रम फैलाने तथा झूठी वाहवाही बटोरने का प्रयास मात्र बताया। भाजपा नेताओं ने कहा कि राजस्थान सरकार के पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है। पूर्व विधायक अशोक नवलखा, पंचायत समिति प्रधान बगदीराम धाकड़, उप प्रधान जगदीशचन्द्र आंजना, भाजपा नगर अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी, भाजपा प्रदेश ओबीसी प्रकोष्ठ मंत्री एवं जिप सदस्य गब्बर सिंह अहीर, पूर्वी मण्डल अध्यक्ष अशोक जाट, पश्चिमी मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह शक्तावत, कनेरा मण्डल अध्यक्ष जुगल किशोर धाकड़, भाजयुमो नगर अध्यक्ष कपिल चौधरी सहित भाजपा नेताओं ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के द्वारा देश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर मेडिकल कॉलेज खोलने के परिणामस्वरूप निम्बाहेड़ा में जिला चिकित्सालय स्वीकृत हुआ एवं इसका निर्माण कार्य भी जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के द्वारा निम्बाहेड़ा नगर पालिका के कांग्रेस शासित बोर्ड की देखरेख में करवाया जा रहा है। भाजपा नेताओं ने कहा कि वास्तविकता में जिला चिकित्सालय का कार्य लगातार प्रगति पर है, बावजूद इसके विपक्ष झूठे ज्ञापन के माध्यम से आमजन को बरगलाने का प्रयास कर रहा है।

भाजपा नेताओं ने बताया कि जिला चिकित्सालय का संपूर्ण निर्माण कार्य जब कांग्रेस शासित बोर्ड की देखरेख में हो रहा है, तो कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा झूठे एवं भ्रामक ज्ञापन के माध्यम से जनता को मात्र गुमराह करने का कार्य किया जा रहा है, जबकि राज्य में जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है एवं निम्बाहेड़ा में भाजपा के जनप्रिय विधायक श्रीचंद कृपलानी के विजयी हुए हैं तभी राज्य एवं क्षेत्र में विकास कार्यों ने रफ्तार पकड़ी है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि विधायक कृपलानी की अनुशंसा पर राजस्थान सरकार ने निम्बाहेड़ा-मंगलवाड़ फोरलेन, छोटीसादड़ी में उप जिला चिकित्सालय, छोटीसादड़ी में एडीजे कोर्ट, निम्बाहेड़ा में कन्या महाविद्यालय, कनेरा के निम्बोदा में लघु सिंचाई परियोजना आदि कई महत्वपूर्ण कार्यों की घोषणा की है। इसमें से निम्बाहेड़ा में कन्या महाविद्यालय के लिए भूमि आवंटन प्रक्रिया के साथ ही शिक्षण कार्य आरम्भ करने के लिए प्रवेश प्रक्रिया भी आरम्भ हो गई है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस जब सत्ता में भी तब मात्र घोषणाओं पर घोषणा की गई एवं मात्र जो कार्य हुए ही नहीं उनके लोकार्पण के पत्थर लगाए गए, जो आमजन से छूपे नहीं है। ऐसे में अब सत्ता चले जाने के पश्चात एवं भाजपा के द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों से क्षुब्ध होकर विपक्ष द्वारा आमजन को गुमराह कर झूठी वाहवाही बटोरने के लिए झूठे ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने आमजन को विश्वास दिलाया कि जिला चिकित्सालय के नवीन भवन का निर्माण इसी कार्यकाल में पूर्ण करवाया जाएगा, साथ ही यदि इसके लिए और भी बजट की आवश्यकता पड़ी तो उसकी भी व्यवस्था करवाते हुए उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य करवाया जाएगा। भाजपा नेताओं ने आमजन से विपक्ष के द्वारा बरगलाने जैसे कृत्यों पर ध्यान नहीं देने का आग्रह किया है।

नयागांव में बाबा रामदेवजी का तीन दिवसीय मेला 4सितम्बर से, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 5 को

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा ,नयागांव। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगरपरिषद नयागांव के तत्वाधान में बाबा रामदेवजी के जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय मेला आयोजित किया जा रहा है जिसकी तैयारीयां चल रही हैं मेले में आने वाले दुकानदारो को प्लाट (भूखण्ड) वितरण कर दिये हैं वही रेट चकरी झूला आदि लग गये हैं प्राकट् य लोकदेवता पीरो के पीर रामा पीर बाबा रामदेवजी के मंदिर नयागांव पर विधुत लाईट सज्जा कि गई, मंदिर पर भादवा सुदी एक को 4सितम्बर को सांयकाल मेले का शुभारम्भ व भादवा सुदी बीज 5सितम्बर को सुबह मंदिर में भजन मंडली प्रारम्भ होगा जो तीज तक लगातार चलते रहेगे भादवा सुदी बीज का मुख्य मेला रहेगा इसी दिन बाबा रामदेवजी का जन्मोत्सव मनाया जाएगा इसी दिन आसपास के गांवो से बाबा रामदेवजी के निशान लेकर आयेगे तीन दिन दिवसीय मेले में प्रथम दिन एवम् 4सितम्बर को प्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा की भजन संध्या रात्री 8बजे होगी ,बीज 5सितम्बर को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन होगा जिसमें कवि का नई पंडित, धीरज शर्मा (हास्य रस) कमल आग्नेय (ओज रस) श्रीमति रंजनीसिंह (श्रृंगार रस) मनोज गुर्जर हास्य राजकुमार बादल गीतकार एवं मंच संचालन करेगे

प्रतिभाओं को तराशने के लिए ग्रामीणों का अनूठा प्रयास, स्कूल की पहाड़ी भूमि पर मशीनों की सहायता से समतलीकरण कर तैयार किया खेल मैदान

14 व 17 वर्षीय जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता घोडान कला में 8 सितंबर से

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 3 सितंबर/ शिक्षा विभाग की ओर से समस्त उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों की 14 वर्षीय छात्र एवं छात्र तथा 17 वर्षीय छात्र वर्ग की वॉलीबॉल की जिला स्तरीय प्रतियोगिता बड़गांव ब्लॉक स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घोड़ान कलां में आयोजित होगा। ये खेलकूद प्रतियोगिताएं 8 सितंबर से शुरू होगी जिसका समापन 12 सितंबर को समापन होगा। 7 सितंबर को जिले के समस्त प्रतिभागी स्कूलों को अपनी अपनी पात्रता प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचाना होगा, 7 को ही शाम 5 बजे टाइज डाली जाएगी। उद्घाटन 8 सितंबर को प्रातः 10 बजे आयोजन होगा।

प्रतियोगिता संयोजक स्कूल के प्रधानाचार्य सुंदर सालवी ने बताया कि बड़गांव पंचायत समिति का घोड़ान कलां गांव भौगोलिक दृष्टि से अरावली की पहाड़ियों के मध्य बसा हुआ है, यहां ऐसी समतल जमीन बिल्कुल भी नहीं के बराबर है जहां पर खेल मैदान बनाया जा सके। लेकिन यहां वॉलीबॉल के प्रति जुनून को देखते हुए ग्राम पंचायत के सरपंच, विद्यालय प्रबंधन विकास समिति, ग्रामवासियों तथा विद्यालय स्टाफ ने आपसी सहयोग व समन्वय से वॉलीबॉल खेल की जिला स्तरीय प्रतियोगिता करवाने का निर्णय लिया गया। शारीरिक शिक्षक व वॉलीबॉल प्रशिक्षक नरेश पालीवाल ने बताया कि सबसे पहली समस्या खेल मैदान बनाने के लिए समतल जमीन की आई तब विद्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित पथरीली व ऊबड़ खाबड़ जमीन जहां पर बबुल एवं अन्य कंटीली झाड़ियां थी वहां पर ग्राम पंचायत के सहयोग से साफ सफाई करवाई गई और वहां जेसीबी के माध्यम से जमीन का समतलीकरण एवं आवश्यक स्थान पर मिट्टी डालकर दो खेल मैदान बनाने का निर्णय किया। इस स्थान से कुछ ही दूरी पर नीचे की ओर ढलान में पूर्व में काटी गई एक पहाड़ी से समतल हुई जमीन को खेल मैदान के योग्य बनाने के लिए पर्याप्त स्थान निकालने के लिए उसे लगती हुई पहाड़ी को जेसीबी मशीनों की सहायता से कटिंग कर ट्रैक्टर के माध्यम से उसे मिट्टी को हटा कर अन्य स्थान पर बने गडों में भराव कर समतलीकरण का कार्य किया गया। इस प्रकार कुल पांच खेल मैदान बनाने का कार्य अंतिम चरण में है। यह पहाड़ी वाली जमीन स्कूल के नाम ही दर्ज है। कुल खर्च राशि 5लाख से अधिक हो चुकी है जो पंचायत, ग्रामवासी, कुछ भामाशाह, दानदाता ,स्वयं शारीरिक शिक्षक नरेश पालीवाल एवं आंशिक सहयोग विद्यालय स्टाफ द्वारा किया जाकर खर्च की गई हैं। सिर्फ खेल मैदान के लिए ही ये खर्चा किया गया है। खेलकूद प्रतियोगिता का खर्च अलग से पंचायत,ग्राम वासियों एवं जन सहयोग से किया जाएगा ।

24 न्यूज अपडेट
देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल
ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें
YouTube
24 NEWS UPDATE
हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें
लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।